



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 276]

नई दिल्ली, मंगलवार, मई 14, 1996/ वैशाख 24, 1918

No. 276]

NEW DELHI, TUESDAY, MAY 14, 1996/ VAISAKHA 24, 1918

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 14 मई, 1996

का०आ० 338(अ).— लिबरेशन टाइगर्स आफ तमिल ईलम (जिसे इसमें इसके पश्चात् लिट्टे कहा गया है) एक ऐसा संगम है जिसका आधार वस्तुतः श्रीलंका में है किन्तु जिससे सहानुभूति रखने वाले, जिसके समर्थक और एजेंट भारत की भूमि पर हैं।

2. लिट्टे का सभी तमिलों के लिए स्वदेश प्राप्ति का उद्देश्य भारत की सम्प्रभुता और राज्य क्षेत्रीय अखण्डता को विच्छिन्न करता है और इस प्रकार विधिविरुद्ध क्रियाकलाप की परिधि के अन्तर्गत आता है।

3. और लिट्टे द्वारा सभी तमिलों के लिए एक पृथक स्वदेश (तमिल ईलम) की लगातार जारी उग्रवादी कार्यवाही से भारत की सम्प्रभुता और क्षेत्रीय अखण्डता को निरन्तर खतरा बना हुआ है।

4. और ऐसे कई आपराधिक मामले जैसे राजीव गांधी हत्या का मामला, पदमनाभ की हत्या का मामला जिनमें टीएनआरटी और तमिल परसाई मामले भी हैं, जिनमें लिट्टे और तमिल नेशनल रिट्राइबल टूप्स जैसे लिट्टे समर्थक ग्रुप भी शामिल हैं, अभी भी न्यायालय में विचाराधीन हैं और तमिलनाडु में लिट्टे समर्थक ग्रुपों के मध्य अभी भी तमिल ईलम की अवधारणा के प्रति सहानुभूति है। यह ताकत अभी भी अपने उद्देश्य की पूर्ति में अग्रसर है इसके द्वारा उक्त अत्याधिक संवेदनशील वातावरण तैयार हो रहा है जिसमें लिट्टे को विधिपूर्वक संगम के रूप में यदि भारत में स्वच्छन्द कार्य करने की अनुमति दी जाती है तो उसका भारत की प्रभुता और राज्य क्षेत्रीय अखण्डता के लिए अत्याधिक अहितकर होना संभाव्य है।

5. और लिट्टे श्रीलंका में एक शक्तिशाली आतंकवादी बल बना हुआ है जिससे जातीय संघर्ष की स्थिति बनी रहती है और तमिलनाडु में श्रीलंका के तमिलों और भारतीय तमिलों के मध्य भाषाई, सांस्कृतिक, जातीय और ऐतिहासिक निकटता के कारण तमिलनाडु में तमिल ईलम की मांग को जोर शोर से उठाया जा रहा है, तमिलनाडु में पृथक्तावादी तमिल उग्र समर्थक ताकतों और लिट्टे समर्थक ताकतों ग्रुप तमिलनाडु में लिट्टे के समर्थन आधार पर विस्तार करने के लिए अलगाववादी भावनाओं को भड़काने का प्रयास कर रहे हैं जिससे भारत की राज्य क्षेत्रीय अखण्डता पर गंभीर विघटनकारी प्रभाव पड़ने की संभावना है।

6. और केन्द्रीय सरकार को यह राय है कि पूर्वोक्त कारणों से लिट्टे एक विधिविरुद्ध संगम है।

7. और केन्द्रीय सरकार को यह जानकारी प्राप्त हुई है कि :

- (क) लिट्टे भारत की अखण्डता और सम्प्रभुता पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले अपने हिंसात्मक और विध्वंसक क्रियाकलापों में संलग्न है, भारत में लिट्टे की मौजूदगी के कारण 14/15.8.95 को बल्लार के विशेष कैम्प से 43 काडर भाग निकलने में कामयाब हुए। 16 अप्रैल, 1996 को टीएनएआरपी के एक व्यक्ति मुत्तुकुमार को राज्य पुलिस द्वारा एक तटवर्ती ग्राम हेलाह मेनामेलकुडी (कुडुकाटाई जिला) से गिरफ्तार किया गया था उसने यह बताया कि वह बल्लार कैम्प से तारीख 14/15.8.95 को लिट्टे के भगोड़ों को नाव से भगाने के लिए जिम्मेदार था। उसकी गिरफ्तारी से तमिलनाडु में लिट्टे के समर्थकों की उपस्थिति की पुष्टि होती है जो ध्वंसक क्रियाकलापों में लगे हुए हैं।
- (ख) लिट्टे आतंकवादी गुप समर्थक एक तमिलनाडु लिबरेशन आर्मी ने 11.9.95 को मद्रास स्थित श्रीलंका के उप-उच्चायुक्त के कार्यालय पर बम से हमला किया था।
- (ग) लिट्टे प्रबल भारत विरोधी रुख निरंतर अपना रहा है और जिससे कि भारत के प्रति विशिष्ट व्यक्तियों जिनके अन्तर्गत भारत के प्रधान मंत्री भी हैं की सुरक्षा को गंभीर खतरा बना हुआ है और उसके भड़काऊ वक्तव्य तमिलनाडु में अलगाववादी ताकतों को उकसा रहे हैं। पेरिस में आधारित लिट्टे के एक तमिल वक्ता लारेंस तिलगार ने 30.11.95 को यहां तक आरोप लगाया है कि भारत सरकार जाफना में श्रीलंका की आक्रामक सैनिक कार्रवाई का गुप्त रूप से समर्थन कर रही है।
- (घ) लिट्टे और इसके समर्थक गुप्तों से शस्त्रों और गोलाबारूद का अधिग्रहण किया जाना निरंतर जारी है और अंतिम बार ऐसी घटना 17.4.96 को हुई है। आयुध अधिनियम, 1959 और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम, 1908 के अधीन मामले रजिस्ट्रीकृत किए गए हैं।
- (ङ) तारीख 22.4.96 की एक घटना में तमिलनाडु लिबरेशन आर्मी से संबंधित कुछ अज्ञात व्यक्तियों द्वारा उल्लूकप्पाई मेलाईडतुराई, (एन्बयू एच जिला स्थित) पर दूरदर्शन प्रसारण केन्द्र पर देशी बम फेंके गए थे। घटना स्थान से बरामद पोस्टर तमिलनाडु की स्वाधीनता का समर्थन करते हैं।
- (च) 2 अप्रैल, 1996 को दूसरी घटना में चार अज्ञात व्यक्तियों ने स्टेशन मास्टर को जबरन हटाने के पश्चात् पैरानी रेलवे मास्टर रूम (बीएआरपी जिला) पर देशी बम फेंके जिससे रेल की सम्पत्ति को नुकसान पहुंचा। स्टेशन परिसर में पाए गए हस्तलिखित पोस्टर में तमिल ईलम के लिए समर्थन किया गया है और पृथक तमिलनाडु की वकालत की गई है। पोस्टरों में लोगों से साधारण निर्वाचन का बहिष्कार करने का भी आह्वान किया गया है।

8. और केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि लिट्टे के उपरोक्त क्रियाकलाप भारत की संप्रभुता और अखण्डता के लिए खतरा बने हुए हैं तथा साथ ही लोक व्यवस्था के लिए अहितकर हैं।

9. और केन्द्रीय सरकार की आगे यह राय है कि (i) भारत की अखण्डता और संप्रभुता पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले लगातार हिंसक और विध्वंसकारी क्रियाकलापों के कारण और (ii) और लगातार प्रबल भारत विरोधी रुख अपनाने और भारतीय राष्ट्रियों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बने होने के कारण, यह आवश्यक है कि लिट्टे को तत्काल प्रभाव से विधि विरुद्ध संगम घोषित किया जाए।

10. अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, विधि विरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1967 (1967 का 37) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए लिबरेशन टाइगर्स आफ तमिल ईलम को विधिविरुद्ध संगम घोषित करती है और उस धारा की उप-धारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निदेश देती है कि यह अधिसूचना उक्त अधिनियम की धारा 4 के अधीन किए जा सकने वाले किसी आदेश के अधीन रहते हुए तत्काल प्रभावी होगी और राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से दो माह के लिए लागू रहेगी।

[फा सं I-11034/9/96-आई एसएलआई (ए)]

एस प्रकाश, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 14th May, 1996

S.O. 338(E).—Whereas the Liberation Tigers of Tamil Eelam (hereinafter referred to as LTTE), is an association actually based in Sri Lanka but having sympathiser, supporters and agents on Indian soil;

2. And whereas LTTE's objective for a homeland for all Tamils disrupts the sovereignty and territorial integrity of India and thus falls within the ambit of an unlawful activity;

3. And whereas the continuing militant pursuit by the LTTE of objective of a separate homeland (Tamil Eelam) for all Tamils, threatens the sovereignty and territorial integrity of India;

4. And whereas most of the criminal cases involving LTTE and pro-LTTE groups like TNRT (Tamil National Retrieval Troops) and Tamil Pasarai, such as the Rajiv Gandhi assassination case, the Padmanabha murder case and the cases involving TNRT and Tamilar Pasarai etc. are still under trial and the sympathy for the 'Tamil Eelam' concept still remains among the pro-LTTE groups in Tamil Nadu and the forces are still at work to further its cause, thereby contributing to the said highly vulnerable milieu in which LTTE's free functioning in India as a lawful association, if allowed, is likely to be highly detrimental to the sovereignty and territorial integrity of India;

5. And whereas LTTE continues to be a strong terrorist force in Sri Lanka, which continues to remain in a state of ethnic strife and the demand of Tamil Eelam finds a strong echo in Tamil Nadu due to the linguistic, cultural, ethnic and historical affinity between the Sri Lankan Tamils and the Indian Tamils in Tamil Nadu, the separatist Tamil chauvinist forces in Tamil Nadu and the pro-LTTE groups are trying to stimulate the secessionist sentiment to enhance the support base of the LTTE in Tamil Nadu, which are likely to have a strong disintegrating influence over the territorial integrity of India.

6. And whereas the Central Government is of the opinion that for the reasons aforesaid, the LTTE is an unlawful association;

7. And whereas the Central Government has information that :

- (a) LTTE in Tamil Nadu has persisted with its violent and disruptive activities prejudicial to the integrity and sovereignty of India. The presence of LTTE in India helped escape of 43 cadres from the Special Camp at Vellore on 14/15-8-1995. On April 16, 1996, one Muthukumar belong to TNRT was arrested by state police from a coastal village Menamelkudi (Pudukottai District). He has revealed that he was responsible for arranging sailings for the LTTE escapees of Vellore Camp on 14/15-8-1995. His arrest confirms the presence of LTTE supporters in Tamil Nadu who are engaged in subversive activities.
- (b) There was also bomb attack on the office of the Sri Lankan Deputy High Commissioner at Madras on 11-9-1995 by Tamil Nadu Liberation Army (TNLA), a pro-LTTE extremist group.
- (c) LTTE continues to adopt a strong anti-India posture and continues to pose a grave threat to the security of the Indian VVIPs, including the Prime Minister of India, and its utterances are inciting the secessionist forces in Tamil Nadu. Lawrence Thilagar, an LTTE spokesman, based in Paris, has even alleged on 30-11-1995 that the Indian Government was 'covertly' supporting the Sri Lankan Army in its military offensive in Jaffna.
- (d) Arms and ammunitions continue to be seized from LTTE and pro-LTTE groups, last such incident took place on 17-7-1996. Cases have been registered under the Arms Act, 1959 and the Explosive substances Act, 1908.
- (e) In an incident on April 22, 1996, some unidentified persons belonging to TNLA, threw country made bombs at the TV Relay Station at Uluthukuppai Maileduthurai (NQH District). Posters recovered from the site hailed the liberation of Tamil Nadu.
- (f) In another incident on April 22, 1996, 4 unidentified persons threw country-made bombs into Perani Railway Master's room (VRP District) after forcibly removing the Station Master, causing damage to railway equipments. Handwritten posters found on the Station premises expressed support for Tamil Eelam and advocated separate Tamil Nadu. The posters also urged the people to boycott general elections.

8. And whereas the Central Government is of the opinion that the aforesaid activities of the LTTE continue to pose threat to and are detrimental to the sovereignty and integrity of India as also public order;

9. And whereas the Central Government is further of the opinion that (i) because of its continued violent and disruptive activities prejudicial to the integrity and sovereignty of India and because (ii) it continues to adopt a strong anti-India posture and also continues to pose a grave threat to the security of Indian Nationals; it is necessary to declare the LTTE as an unlawful association with immediate effect;

10. Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Unlawful Activities (Prevention) Act, 1967 (37 of 1967), the Central Government hereby declares the Liberation Tigers of Tamil Eelam to be an unlawful association and directs, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (3) of that Section, that this notification shall, subject to any order that may be made under Section 4 of the said Act, have immediate effect and will remain in force for a period of 2 months from the date of its publication in the Official Gazette.

[F. No. I-11034/9/96-I SDI(A)]
S. PRAKASH, Jt. Secy.